

बलिया दर्पण

2018-19

जनवरी

VOLUME 39

01/JAN/2019 TO

31/JAN/2019





स्वच्छ बलिया स्वस्थ बलिया



I am delighted to present the tasks and issue of Ballia Nagar Palika by e-Patrika Ballia Sandesh in January 2019. Nagar Palika Parishad Ballia is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Mission program. The coming times will surely be very hectic and eventful. Ballia promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Ballia should benefit Nagar Palika Parishad Ballia and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Ballia for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Ballia for supporting to develop Ballia

इतिहास के झरोखे से :- बलिया

प्राचीन काल से ही वर्तमान बलिया जिला खोसता की राजधानी में सम्मिलित था। उत्तर पूर्वी दिशा में गंगा नदी खोसला की सीमा निर्धारित करती थी और पूरा बलिया जिला उसी में ज्ड़ा हुआ था। सूर्यवंशी इस खोसला प्रदेश में रहने वाले सबसे प्राचीनतम/पहला खानदान था। उन्होने बलिया में एक पूर्ण रूप से कार्यकारी सरकार को स्थापित किया। मन् के जेष्ठ प्त्र इच्चवांश् यहां का प्रथम शासक था जिसके वैदिक संस्कृति में ख्याति प्राप्त थी। 16वीं शताब्दी में खोसला 16 महाजनपदों में से एक था। यहां पर महाखोसला का राज्य चलता था। यह जनपद जैन और बुद्ध की शिक्षाओं से अत्यधिक प्रभावित था। खोसला, मोर्या, सांगा, कुशानन आदि अनेको खानदानों ने यहां पर शासन किया। कुशानन खानदान के अन्त के पश्चात बलिया जनपद गुमनामी अंधेरों में डूब गया। फाहेन के भारत भ्रमण के दौरान यह जनपद बौद्ध धर्म के प्रभाव में आया। 13वीं शताब्दी के आरम्भ में मुसलमान शासक भारत आने लगे। बिलया जिला स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता सैनानियों के विचारों से अनिमग्न नहीं था। <u>1857 के गदर के दौरान यह जनपद स्वतंत्रता संग्राम की गतिविधियों का मुख्य केन्द्र था।</u> दादा भाई नारांजी, पं. जवाहर लाल नहेरू, एस एन बैनर्जी आदि इस जनपद में आये और यहां के निवासियों को स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने हेत् प्रेरित किया। सन 1925 में पुरुषोत्तम दास टाउंन, जवाहर लाल नहेरू बलिया आये और मिल्की में गांधी आश्रम के समारोह मे सम्मिलित हुए। इसी दौरान महात्मा गांधी भी बलिया आये। बलिया जनपद ने सिविल डिसओविडियन्स मोवमेंट में भाग लिया। इस जनपद के निवासियों ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से भी नमक सत्याग्रह में भाग लिया। 12 अप्रैल 1930 को नमक आन्दोलन का अन्त हुआ और उत्पादित नमक खुले आम बाजारों में बिकने लगा। तत्पश्चात यही नमक रिओटी, रस्रा और बन्ध में बनाया जाने लगा।

NEW YEAR DAY

01/JAN/2019

यूं तो पूरे विश्व में नया साल अलग-अलग दिन मनाया जाता है, और भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में भी नए साल की शुरूआत अलग-अलग समय होती है। लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी से नए साल की शुरूआत मानी जाती है। चूंकि 31 दिसंबर को एक वर्ष का अंत होने के बाद 1 जनवरी से नए अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष की शुरूआत होती है। इसलिए इस दिन को पूरी दुनिया में नया साल शुरू होने के उपलक्ष्य में पर्व की तरह मनाया जाता है।

चूंकि साल नया है, इसलिए नई उम्मीदें, नए सपने, नए लक्ष्य, नए आईडियाज के साथ इसका स्वागत किया जाता है। नया साल मनाने के पीछे मान्यता है कि साल का पहला दिन अगर उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाए, तो साल भर इसी उत्साह और खुशियों के साथ ही बीतेगा।

हालांकि हिन्दू पंचांग के अनुसार के मुताबिक नया साल 1 जनवरी से शुरू नहीं होता। हिन्दू नववर्ष का आगाज गुड़ी पड़वा से होता है। लेकिन 1 जनवरी को नया साल मनाना सभी धर्मों में एकता कायम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है, क्यों इसे सभी मिलकर मनाते हैं। 31 दिसंबर की रात से ही कई स्थानों पर अलग-अलग समूहों में इकट्ठा होकर लोग नए साल का जश्न मनाना शुरू कर देते हैं और रात 12 बजते ही सभी एक दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं देते हैं।

नया साल एक नई शुरूआत को दर्शाता है और हमेशा आगे बढ़ने की सीख देता है। पुराने साल में हमने जो भी किया, सीखा, सफल या असफल हुए उससे सीख लेकर, एक नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जिस प्रकार हम पुराने साल के समाप्त होने पर दुखी नहीं होते बल्कि नए साल का स्वागत बड़े उत्साह और खुशी के साथ करते हैं, उसी तरह जीवन में भी बीते हुए समय को लेकर हमें दुखी नहीं होना चाहिए। जो बीत गया उसके बारे में सोचने की अपेक्षा आने वाले अवसरों का स्वागत करें और उनके जरिए जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश करें।

नए साल की खुशी में कई स्थानों पर पार्टी आयोजित की जाती है जिसमें नाच-गाना और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ-साथ मजेदार खेलों के जरिए मनोरंजन किया जाता है। कुछ लोग धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर ईश्वर को याद कर नए साल की शूरूआत करते हैं।







GURU GOVIND SINGH JAYANTI

13/JAN/2019

सिखों के प्रमुख व् पहले गुरु के जन्म दिवस के अवसर पर गुरु नानक जयंती मनाई जाती हैं. इस दिन सिख समुदाय के के लोगो में ख़ासा उत्साह देखा जा सकता हैं.

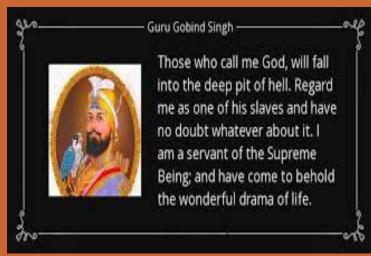
क्यूंकि जिनसे उनकी धर्म की शुरुवात हुई जो उनके पहले गुरु हैं. तो कही न कही उनके धर्म का अस्तित्व में आना गुरु नानक जी की देंन थी इसी कारण वे खुशियाँ मनाते हैं. आपको गुरु नानक जयंती की बहुत बहुत शुभकामनाएं ! ?

वाहेगुरु का आशीष सदा, मिले ऐसी कमाना है हमारी, गुरु की कृपा से आएगी, घर घर में ख़ुशहाली Happy Guru Nanak Jayanti!!!!



खुशियाँ और आपका जनम जनम का साथ हो, हर किसी की जुबान पर आपकी हसी की बात हो. जीवन में कभी कोई मुसीबत आए भी, तो आपके सर पर गुरु नानक का हाथ हो. Satnaam Shri Waheguru..!!! Happy Gurupurab





MAKAR SANKRANTI

14/JAN/2018

मकर संक्रांति का त्योहार हिन्दू धर्म के प्रमुख त्योहारों में शामिल है, जो सूर्य के उत्तरायन होने पर मनाया जाता है। इस पर्व की विशेष बात यह है कि यह अन्य त्योहारों की तरह अलग-अलग तारीखों पर नहीं, बल्कि हर साल 14 जनवरी को ही मनाया जाता है, जब सूर्य उत्तरायन होकर मकर रेखा से गुजरता है।

> कभी-कभी यह एक दिन पहले या बाद में यानि 13 या 15 जनवरी को भी मनाया जाता है लेकिन ऐसा कम ही होता है। मकर संक्रांति का संबंध सीधा पृथ्वी के भूगोल और सूर्य की स्थिति से है। जब भी सूर्य मकर रेखा पर आता है, वह दिन 14 जनवरी ही होता है, अतः इस दिन मकर संक्रांति का तेहार मनाया जाता है।

ज्योतिष की दृष्टि से देखें तो इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है और सूर्य

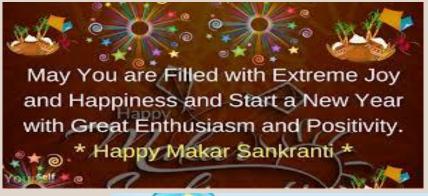
के उत्तरायण की गति प्रारंभ होती है।

भारत के अलग-अललग क्षेत्रों में मकर संक्रांति के पर्व को अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। आंध्रप्रदेश, केरल और कर्नाटक में इसे संक्रांति कहा जाता है और तमिलनाडु में इसे <u>पोंगल</u> पर्व के रूप में मनाया जाता है। पंजाब और हिरयाणा में इस समय नई <u>फसल</u> का स्वागत किया जाता है और लोहड़ी पर्व मनाया जाता है, वहीं असम में बिहू के रूप में इस पर्व को उल्लास के साथ मनाया जाता है। हर प्रांत में इसका नाम और मनाने का तरीका अलग-अलग होता है।

अलग-अलग मान्यताओं के अनुसार इस पर्व के पकवान भी अलग-अलग होते हैं, लेकिन दाल और चावल की खिचड़ी इस पर्व की प्रमुख पहचान बन चुकी है। विशेष रूप से गुड़ और घी के साथ खिचड़ी खाने का महत्व है। इसेक अलावा तिल और गुड़ का भी मकर संक्रांति पर बेहद महत्व है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर तिल का उबटन कर स्नान किया जाता है। इसके अलावा तिल और गुड़ के लड़्डू एवं अन्य व्यंजन भी बनाए जाते हैं। इस

का <u>उबटन कर स्नान</u> किया जाता है। इसके अलावा तिल आर गुड़ के लड़्डू एवं अन्य व्यजन भा बनाए जाते हैं। इस समय सुहागन महिलाएं सुहाग की सामग्री का आदान प्रदान भी करती हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे उनके पित की आयु लंबी होती है।







मीठे-मीठे गुड़ में मिल गया TiL, उड़ी पतंग और खिल गया DiL... चलो उड़ाएं पतंग सवलोग Mil... Happy Makar Sankranti

INDIAN ARMY DAY

15/JAN/2019

15 जनवरी सन् 1949 को केएम करिअप्पा को देश का पहला लेफ्टिनेंट जनरल घोषित किया गया था। इसके पहले ब्रिटिश मूल के फ्रांसिस बूचर इस पद पर कार्यरत थे। इस दिन सेना की आजादी होती है इसलिए 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस समय भारतीय सेना में लगभग 200000 सैनिक थे जबिक इस समय भारतीय सेना में 1100000 से भी अधिक सैनिक अलग-अलग पदों पर कार्यरत हैं। इस दिन हमारे देश की सेना अपनी आजादी का जश्न मनाती है। भारतीय सैनिक साल के 365 दिन हमारी आजादी को बचाने के लिए संघर्ष करते हैं इसलिए हमारा कर्तव्य है कि इस दिन हमें उनकी खुशियों में शामिल हो और उनकी कुर्बानियां को याद करें।

सेना दिवस की शुरुआत भारत के लेफ्टिनेंट जनरल केएम करिअप्पा को सम्मान देने के लिए की गई थी जो भारत के पहले प्रधान सेनापति थे इस दिन नई दिल्ली में सेना के सभी मुख्यालय में परेड्स और मिलिट्री शो का भी आयोजन किया जाता है।

15 जनवरी को इंडिया गेट पर बनी अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजिल भी दी जाती है। इस दिन दिल्ली में परेड आयोजित किया जाता है। उसमें सैनिकों के परिवारों को भी बुलाया जाता है। सैनिक उस समय जंग का एक नमूना पेश करते हैं और अपने कौशल योग रणनीति के बारे में भी बताते हैं तथा देश के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।





REPUBLIC DAY

26/JAN/2018

26 जनवरी सन 1950 को हमारे देश को पूर्ण स्वायत्त गणराज्य घोषित किया गया था और इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को भारत का गणतंत्र दिवस मनाया जाता है और चूंकि यह दिन किसी विशेष धर्म, जाति या संप्रदाय से न जुड़कर राष्ट्रीयता से जुड़ा है, इसलिए देश का हर बाशिंदा इसे राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाता है। खास तौर से सरकारी संस्थानों एवं शिक्षण संस्थानों में इस दिन ध्वजारोहण, झंडा वंदन करने के पश्चात राष्ट्रगान जन-गन-मन का गायन होता है और देशभिक्त से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। देशाक्ति गीत, भाषण, चित्रकला एवं अन्य प्रतियोगिताओं के साथ ही देश के वीर सपूतों को याद भी किया जाता है और वंदे मातरम, जय हिन्दी, भारत माता की जय के उद्घोष के साथ पूरा वातावरण देशभिक्त से ओतप्रोत हो जाता है।

भारत की राजधानी दिल्ली में गणंतंत्र दिवस पर विशेष आयोजन होते हैं। देश के प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया गेट पर शहीद ज्योति का अभिनंदन करने के साथ ही उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं। इस दिन विशेष रूप से दिल्ली के विजय चौक से लाल किले तक होने वाली परेड आकर्षण का प्रमुख केंद्र होती है, जिसमें देश और विदेश के गणमान्य जनों को आमंत्रित किया जाता है। इस परेड में तीनों सेना के प्रमुख राष्ट्रीपित को सलामी दी जाती है एवं सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हथियार, प्रक्षेपास्त्र एवं शक्तिशाली टैंकों का प्रदर्शन किया जाता है एवं परेड के माध्यम से सैनिकों की शक्ति और पराक्रम को बताया जाता है।







बलिया खबर



बेटियों को करें शिक्षितः पूनम

अमर उजाला ब्युरो

रसङ्घा। गांधी पार्क के प्रांगण में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया के तत्त्वावधान में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को कानून की जानकारी दी गई।

तहसीलदार शिवधर चौरसिया ने असहायों एवं प्राकृतिक आपदा पर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छोटे-छोटे विवादों को आपस में सुलह समझौता कर बड़े विवाद से बचा जा सकता है। राज्य विधिक प्राधिकरण की सचिव पूनम कर्णवाल ने लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का आच्वान किया। उन्होंने घरेलू हिंसा सहित आदि कानूनी विषयों के बीच की चर्चां करते हुए कहा कि गरीबों,



रसङ्ग करवा स्थित गांधी पार्क में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर को संबोधित करती राज्य विधिक प्राधिकरण की सचिव पूनम कर्णवाल।

गांधी पार्क में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

महिलाओं , असहायों के लिए निःशुल्क विधिक परामशं दिए जाने की व्यवस्था है। पुलिस सहित किसी भी विभाग में न्याय नहीं मिलता है तो विधि प्राधिकरण सचिव के पास अपना शिकायती पत्र दे सकते हैं। कमजोर लोग चाहे तो अपना नाम भी गुप्त रख सकते हैं। कार्यवाहक अध्यक्ष विशष्ट नारायण सोनी, डॉ. रामानुज मिश्रा, राजकुमार गुप्ता उर्फ रिक्, अविनाश जायसवाल, विनोद शर्मा, गोपाल जी गुप्ता आदि उपस्थित रहे। संचालन श्याम कृष्ण गोयल ने किया।

मंच पर बच्चों ने जगाया देशभक्ति का जज्बा

मकर संक्रांति उत्सव में दही, चिउड़ा और तिलवा का चखा स्वाद

अमर उजाला ब्यूरो

बिलया। मकर संक्रांति उत्सव का आयोजन नगर के रामलीला मैदान में सोमकार को किया क्या। जिसमें दही, चिउड़ा, गुड़, तिलया लोगों ने जमकर खाया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों के साथ जनपद के कोने-कोने से आए कलाकारों ने गीत प्रस्तुत कर देशभवित का जज्बा जगाया।

आरएसएस के विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश जी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष विनोद शंकर दूवे एवं नगर विभायक आनंद स्वरूप शुक्ल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में अनन्या वर्मा, आयुष्मान वर्मा ने जब पटना से बैदा बोलाइ द प्रस्तुत किया तो आयोजन में पहुंची महिलाओं ने सुर में सुर मिलान शुरू कर दिया। कृष्ण राधा रूपी कार्यक्रम का आयोजन नहें-मुन्नें बच्चों हारा मंच पर किया गया। इसके ब्बद जब किशोरियों एवं किशोरों द्वारा मां तुझे सलाम एवं आई लब माई डीवया



नगर के रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित दही-चूड़ा कार्यक्रम का राभारंभ करते विधायक आनंद स्वरूप शक्ला, साथ में अन्य भाजपा नेता।

गावा एवं मंच पर कई जवान शहीद हो गए, भारत मां की बेटी ने अपने जज्बा को दिखाते हुए दुश्मनों को मार गिराया। इसके बाद दर्शकों ने भारत मां एवं बंदे मातरम की जबकारा लगाते रहे। मंच पर सुनीता पाठक एवं नम्रता शर्मा ने भक्ति गीत प्रस्तुत किया। नगर विधायक आनंद स्वरूप शुक्त ने आगंतुकों के प्रति

आभार प्रकट किया। मौके पर पूर्व विधायक रामइकबाल सिंह, सांसद भरत सिंह, केतको सिंह, विमल पाटक, विनोद सिंह, रंजना राय क्षेत्रीय मंत्री गोरख प्रांत, संजीव कुमार डंप, हरेंद्र राजभर, रणधीर सिंह चिक्, प्रदीप सिंह, संजय मिश्र, कुष्णा पांडेय, एसपी देवेंद्रनथ, सिटी मॉकस्ट्रेट डा विश्राम मौजूद रहे।

बलिया के अनिल बने हॉफ मैराथन के विजेता 🕛

शटा 10 क्रिक्ट ३१

uldeuul

वीन्य और संबद्धत

असर शाहीद संगत पहिल्ला है अपनी पर अववित्रत क्षेत्र गैताका में बरितव है। ऑनन प्रमार ने सम्बद्धी पीते जोड रिका कारमधी के शामित करता ने हमात व जीलवा के देशबा चंद ने लीवता ner efue fun

भरंबित को ओर के अरबेरिकर परान्यों . में अरबेर देश पूरी को संबंध सदस पर . सांबार चोहार, इसाहाबाट के सांबार होंच मैरावन को पहल अधिव रासर्थ । रहे जीनक के ही हंपकाचंद्र ने बुरार एक । रहे। इस मैके पर सिवनेश बीवानत व टेकेन सबने बारत चीरता प्रेयत अवर - चीरा ११ मिनट ३० सेकेंड का बागर - राजराव उपलब्ध, अधिकेंब राव, शहीर के प्रतिक तकार के इसे इंदेर founds soverant relativ in प्रयंग्रह गुप्तांतु रोखा विकास है

धर्मक्षेत्री का सान्याचेन कर य सेज evenue waves facut a this deput बारम चीरामा ये सुबार 7,50 बाने मुक्त est etw Acora is feet iget 218 धावक पंजीवत के। रेतर्च स्टेशन, exceed, leave, feverpointes शंत हर नाती तब बी होंच मैराधन बी OF \$2.00 TO \$100 ST \$100 ST \$15 बर ब्रोलब के अधिन क्रिकेश बच्चा भी दूर्ग महर्थन सा द्वारो स्थान पर रहे चाराणके के बार्याल अजीत, स्वीतर, बातेश, राजा बाब्यू, असीत विस्त, मी. खुशींद में।

इन लोगों का रहा सहयोग

dies i thei winder of fellos समित हो और से अविकास के Report of your part it style By sås disa, resupit, skå dit. gliss posse, Stieve Duce, ment foot, reithre existence is see it would as

शेक्षर मध्योजक एवं शैक्षणिक । क्रमार ने एक पोटा १० विनार १४ मेकेंट । क्रमापी, गारावण, रवि, जीनपुर के निका अवधिरोक्तारों में बनिवा के बाहेद उत्तरकार, प्रॉ. अंजर्क बहुद . सोन्, ब्रातेश शहरो, विश्वातीर, श्री, अर्थन्द शुक्त, वीरेन शुक्त,



अपर साहित बाल परेंदर की अपनी पर अन्युक्ति की बैठावार को की काफ़े विकास प्रकृत करते काल अहित करती हैरेंस्त अप

असफलता ही देती है सफलता की सीढ़ी : कुलपति

सरकार विम्हरताम संबद

जनगरक चन्द्रलेखन विविध के कुलावीर धे. थेलेड जिल ने बजा कि वर्ता व युक्त औं भी जीवन में लक्ष्य हार्बिशत करने के लिये सूर्व की शह रचन पहेला।

वे कुदवार को मृष्या देवी परिशक्त स्कृत परिवर में अपदेशित प्रतिप सम्मान सम्पर्गत व ऑश्वल प्रातीय कवि सम्मंतर को बतौर मुख्य अतिथि शब्देशिक को रहे थे। फुलपीर ने ध सामको च महत्त्व के संस्थापक केटर पार्थक के पित्र पर पुरत प्रशासर भागोक्रम भा ग्राचारम्मा शिवाः सन्तरति ने बहा कि अवस्थान हो वस्थान की सीक्षे देती है। फुल्लारि ने सहार गुर से अर्थ्य कविष्यम् अनु वारत को लिखेल पुरतक द्वाध्य यन तुझते बात करुद्ध रूप कर बिकारी चीच हात रिस्को गरी TH BUTH DISCHOOLS SHEEP foregraph to

कुलाबीत ने सकुल के मधावी वारक-बामाने राहुत कुन, मंबेटोनिस, मेर्डिन कर्त, वर्ततः कृता, जातिन मोति, विकार र. serys and, frees the seric sit प्रमाण पात्र व परस्कार देखर सम्मानित fleres weeks it seedsed is: राजनार केरेजा लालान पांडे, जिला सहस्रात बेंक के पूर्व चेवरकेन अलोक कुम्बर पाटक, दा. गरीक पाटक, रामेश्या नाम शिवारी, चन्द्रशेखर





तकावार के कृषण देवें प्रितक त्यून परिचार में अवंदित प्रतिश कमान का अधिन भारतीय कवि वर्षीतन कर बीत काइकर उद्युद्ध करने अनगरक वन्योंकर विवर्धियन के कुलबीर प्री. प्रतिन्द विवर (बार) और अधि कमीनत में व्यव्यित प्रतु तथर की इतरक 'अर कर हुआ कर करें' का विरोधन करने अधिकारन



ान से आदी कविवासे अनु सवन को उन्हीं किए देकर सम्बद्धित करते कुमारी हो, स्रोपेड विद्या

units, seen weigt für, feun. he updraparethe, erim we self-थे। संधालन अर्जनल पांडे ने किया। प्रकारकार्य अवशिष कुमार गाउँ वे MANY PEACH MAIN!

उधर सावन तरसता है, इधर आंखें बरसती हैं

acrose Bugerin einc

कृष्ण देवे पीमाब स्कृत प्रीरश में आपेतिमा स्थित सम्मानन में देश पर से अस्य करियों ने असभी रचायाओं से देत

भीतान से अन्ये कविवाहे अन सपर वे प्रस्थात पाना प्रमृत की, "अपूर्व हैं कराने famuch है पूर्व होने को राज्ये executed, and thing it also at अरेशामची राशे राज्योत्तरपट, तथर साधार तरवात है इचर अंखें बारवते हैं। सहारक्षा से अने राजेन्द्र राजन ने 'बहन को हालड ब्रह्मने लंगि तो प्राचा ची आंग् बताने लगेति, त्र आने वजा श्रो

गर्व अवसंगत, रिस्टे हुटने से जबाने शर्मिंगे' सुचानत पालवाडी शुद्धी। युद्ध जिले से अने कवि सैरव क्षीतार है। विद्वित्ते का विद्वित्ते भी पिरान दे रता हूं, युक्तओं में देशभॉक्त का जेत पर रहा हूं. सूचकर देशभी स का

बारतपुर सं अवने जेपन प्राप्तेय ने चक्र जब माचरा से जुड़ जात है तो उपका करन अनुसचा से जुड़ जाना है" गुवाकर प्रति सम्बेलर में अधवे शर्य बादै। वाजीपुर से आवे हरीका ने 'सृष्टि को ओ दृष्टि देने का काम किया है सुराकर यहायारी लुटी।









कराटे में बलिया के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

बलिया। बीते 13 जनवरी को नोएडा शहर के क्रिस्टल मॉल नौलेज पार्क में आयोजित उप्र कराटे चैंपियनशिप में बलिया के खिलाडियों ने परचम लहराया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी

जनपदों चार गोल्ड व खिलाड़ियों ने चौदह सिल्वर प्रतिभाग किया। के साथ लौटे बलिया खिलाडियों ने गृह जनपद, चार गोल्ड, हुआ स्वागत चौदह सिल्वर

एवं तीन ब्रांच मेडल प्राप्त किया। गुरुवार को जनपद आगमन पर रेलवे स्टेशन पर खिलाडियों का भव्य स्वागत किया गया।

सेंसुई संजय श्रीवास्तव ने बताया कि चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले जय प्रकाश, ऋषव चतर्वेदी, धीरज उपाध्याय, रूद्रेश तिवारी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। जबकि कन्हैया सिंह, आदित्य प्रताप, आदित्यराज चतुर्वेदी, कसाग्र सिंह, मनीषा प्रजापति, शशिकला, आमिर अली, राकेश भारती, अंश ठाकुर, अमित यादव, विशाल प्रजापति, विशाल सिंह, विजय पांडेय, भवेश कमार को सिल्बर मेडल प्राप्त हुआ। वहीं शुभम पांडेय, अमन कमार, आदित्य पांडेय को ब्रॉज मेडल प्राप्त हुआ। गौरतलब हो धीरज व रूदेश तिवारी को चैंपियनशिप लिए चयनित किए गए यह प्रतियोगिता चेन्नई में 28 31 जनवरी आयोजित होगी। ब्युरो

शिक्षा को हथियार बनाकर आगे बढ़ें छात्राएं

शिवनाथ सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज में शिक्षिकाओं व छात्राओं ने 100 मिलियन स्माइल्स में की सहभागिता

अमर उजाला ब्युरो

जयप्रकाशनगर। क्षेत्र के टोला शिवन राय के चटटी स्थित शिक्षक शिवनाथ सिंह इंटरमीडिएट कालेज में सोमवार को अमर उजाला अपराजिता संजगता अभियान का आयोजन किया गया। इस मौके पर कालेज की अध्यापिकाओं ने

छात्राओं को मजबूत इच्छा शक्ति के साथ निडर, निर्भीक होकर जीवन में आगे बढ़ने के प्रति नागरूक किया। उन्होंने



कहा कि छात्राओं को अपने हथियार बनाकर जीवन में आगे अधिकार और कर्तव्य के प्रति बढ़ना होगा। कार्यक्रम का श्भारंभ जगरूक रहना होगा। शिक्षा को विद्यालय की प्रबंधक कमकम सिंह मनोबल को ऊंचा करना होगा। मानसिक क्षमता की बात हो या

शिक्षक शिवनाथ सिंह इंटर कालेज में अपराजिता कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करतीं काजल सिंह।

ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

लडकियों या महिलाओं को ध्यान इस अवसर पर उपस्थित हात्राओं रखना चाहिए कि कभी भी किसी को संबोधित करते हुए विद्यालय की पराये लडके या पुरुषों के साथ शिक्षिका काजल सिंह ने कहा कि अकेले में कही भी नहीं जाना सबसे फले प्रत्येक छात्रा व महिला चाहिए। लडकियों को कभी भी को आत्मा रक्षा करने की तकनीक किसी लड़के से अपने आपको कम सीखनी होगी। साथ ही अपने नहीं समझना चाहिए। चाहे वह

गांव के विकास से ही देश का विकास

कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कराना प्रधानों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

अमर उजाला ब्युरो

भारतीय जनता पार्टी महानगरों से लेकर गांव तक के विकास को लेकर हमेशा तत्पर रहती है। हमारी सरकार का मानना हैं जब तक गांव का विकास नहीं होगा तब देश का विकास असंभव है। केंद्र में मोदी तथा प्रदेश में योगी की सरकार गांवों के लिए अनेकों योजनाएं चला रही है, जिससे लोग लाभान्वित हो रहे हैं। यह बातें बुधवार को नगर के टाउन हाल के मैदान में भाजपा पंचायत प्रकोच्ड के गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय सम्मेलन में बतीर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य केदार नाथ सिंह ने कहीं।

श्री सिंह ने कहा कि हमारी सरकार जब से बनी है तब से गांवों में विकास का काम गुणात्मक रूप से हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय सहित प्रधानमंत्री आवास का निर्माण युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सकलदीप राजभर ने कहा कि केंद्र की सरकार ने पंचायतों की बिजली व्यवस्था सदद



नगर के टाउन हाल में क्षेत्रीय पंचायत सम्मेलन में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन अतिथिगण।

करने के लिए हर मजरे तक विद्युतीकरण का कार्य युद्घ स्तर पर करवा रही है।

बैरिया विधायक सरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार की किसी भी योजना का क्रियान्वयन कराना प्रधानों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बनती है। इसलिए हमारी सरकार प्रधानों को और अधिकार देने के लिए गंभीरता पूर्वक विचार कर रही राय, बहादूर चौबे, राजेश सिंह, आभार व्यक्त किया।

है। पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक रमेश सिंह ने कहा कि पंचायत सम्मेलन में जो भी प्रतिनिधिगण अपनी मांग रखे है, मैं उसको उप्र सरकार के सामने रखुंगा। सभा को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से विनोद शंकर दुवे, सहजानंद राय, केतकी सिंह, रमाकांत मिश्र, नागेंद्र पांडेय, अंजनी

श्रीनिवास तिवारी, मोहन मिश्र, ओमकेश्वर सिंह, मनोरमा गप्ता, कृष्णा पांडेय, नीत् राय, संतोष सिंह, शितांश् गुप्ता, बसेत सिंह आदि ने किया। अध्यक्षता क्षेत्रीय महामंत्री देवेंद्र यादव तथा संचालन सहसंयोजक सच्चिदानंद सिंह ने किया। जिला संयोजक खडग बहाद्र तिवारी ने आगंतुकों के प्रति

यूपी में भी सामान्य वर्ग के गरीबों को १४ जनवरी से १०% आरक्षण

योगी कैबिनेट की मुहर : नौकरियों-शिक्षण संस्थानों में प्रवेश में मिलेगा लाभ

अमर उजाला ब्युरो

लखनऊ। योगी सरकार ने केंद्र सरकार की तरह प्रदेश के सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए 10 फीसदी आरक्षण को मंजूरी दे दी है। इसका लाभ बीती 14 जनवरी से ही मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैविनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजुरी दी गई।

कर्जा मंत्री व सरकार के प्रवक्ता श्रीकांत शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार ने सामान्य वर्ग के गरीबों को 14 जनवरी से 10 फीसदी आरक्षण लागू करने की अधिसूचना जारी की है। प्रदेश सरकार ने भी इसी तारीख से आरक्षण पर सैद्धांतिक सहमति दे दी। केंद्र सरकार इसके जो भी मापदंड तय करेगी, प्रदेश सरकार उसका पालन करेगी। उन्होंने कहा, यह आरक्षण एससी-एसटी व ओबीसी को मिलने वाले 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा से अलग है।

गोवंश संरक्षण उपकर भी मंजर कैबिनेट ने गौवंश संरक्षण के लिए शराज पर उपकर की व्यवस्था को मंजुरी दे दी। इससे 165 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। >> पेज 9



आयसीमा व अन्य मापदंडों पर केंद्र के निर्णय का इंतजार शासन के एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि प्रदेश सरकार आरक्षण के लिए आयसीमा और अन्य मापदंड पर केंद्र के निर्णय का इंतजार कर रही है। अभी मापदंडों की आधिकारिक सूचना प्रान्त नहीं हुई है। जैसे ही केंद्र का आदेश आएगा, प्रदेश सरकार उस पर अमल का आदेश जारी कर देगी। उसके लिए फिर कैबिनेट में जाने की आधश्यकता नहीं होगी।

फैसला लागू होने पर यह असर

- विभाग, चयन आयोग, भर्ती बोर्ड या आउटसोसिंग स्तर पर होने वाली भर्तियों में लाभ मिल सकेगा।
- उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा व चिकित्सा शिक्षा आदि विभागों के शिक्षण संस्थानों में प्रवेश में अवसर मिल सकेगा।
- विभागों को सामान्य गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने के लिए अपनी नियमावलियों में संशोधन करना होगा।

प्रदेश सरकार द्वारा 10 फीसदी आरक्षण को सैद्धांतिक सहमति देने से नई भर्ती प्रक्रिया जहां की तहां रुक

जाएगी। जब तक राज्य सरकार सामान्य गरीबॉ के संबंध में शासनादेश या अधिस्चना जारी

नहीं करती है, तब तक राज्य के भर्ती आयोग और विभाग किसी भी स्तर पर नई भर्तियों की प्रक्रिया शुरू नहीं कर पाएंगे। अब नए भर्ती विज्ञापन के लिए रिक्त पदों में आरक्षण का वर्गीकरण नए सिरे से करना होगा। इसके लिए नए सिरे से पूरी प्रक्रिया तय करनी होगी। हालांकि जो विज्ञपन हो गए हैं, उनकी भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी।

कैबिनेट के अन्य फैसले

म्गलसराय तहसील अब पंडित दोनदयाल उपाध्याय नगर चित्रकट रामायण मेला अब राज्यस्तरीय मेला मंत्रियों के अधिकार बदे, अब 1 करोड़ तक की वित्तीय स्वीकृति दे सकेंगे।

जीवन के लिए सपने बेहद जरूरी हैं

दरअसल मैं सामान्य, औसत या आदर्श नहीं वनना चाहती हूं। मैं बस अपने जीवन को और पूर्णता से जीने, और अधिक आनंद लेने और अधिक अनुभव करने के लिए ज्यादा ताकत और साहस ग्राप्त करना चाहती हूं। मैं और भी मौलिक और स्वच्छंद विलक्षणताएं विकसित करना चाहती हूं। अगर मुझे इसे स्वीकार करना पड़े. तो मेरा लक्ष्य यह है कि मैं वास्तव में जो हूं, उसे स्वीकार कर लूं। मैं अपने विचारों, अपने रंग-रूप, अपने गुणों, अपनी खामियों पर गर्व कर सकूं, और इस



हमेशा की चिंता को रोक सकं कि मैं जैसी हैं मुझसे उसी रूप प्यार नहीं क्रिया जा सकता है। जीवन को केवल वे लोग वास्तव में जानते जो दुख उठाते हैं, विपत्ति

सहन करते हैं और एक के बाद एक हार का सामना करते हैं। हम अबाध रूप से, कालक्रम से नहीं बढ़ते हैं। हम कभी-कभी असमान रूप से एक पहलू में आगे बढ़ते हैं, दूसरे में नहीं। हम तुलनात्मक रूप से आगे बढ़ते हैं। हम एक क्षेत्र में परिपक्व हैं, दसरे में बचकाने। अतीत, वर्तमान और भविष्य मिलकर हमें पीछे धकेलते हैं, आगे बड़ाते हैं या हमें वर्तमान में स्थिर कर देते हैं। हम परतों, कोशिकाओं, ज्योति युंजों से मिलकर बने हैं। हम जीवन का लुत्फ दो बार उठाने के लिए लिखते हैं, एक बार उस पल में और दूसरी बार उसके पुनरावलोकन में। जीवन के लिए सपने बेहद जरूरी हैं। सपने कार्य की सच्चाई का भाग हो जाते हैं। कार्यों से फिर से सपने उपजते हैं, और यह परस्पर निर्भरता जीवन के उच्चतम रूप का निर्माण करती है। गहराई से जिया गया व्यक्तिगत जीवन हमेशा उसके परे सच्चाइयों में फैल जाता है। जीवन माहम के अनक्ष्य मिकलना

भारत की बेहतरी का रास्ता उत्तर प्रदेश से

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- अराजकता और अव्यवस्था से मुक्त हो चुका है प्रदेश

मख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रवासियों से भारत को दुनिय की आर्थिक महाशक्ति बनाने में सहयोग करने का आखान किया है। कहा कि पिछले

करीब पौने दो साल में उत्तर प्रदेश अराजकता और अव्यवस्था से निकल चुका है। भारत की बेहतरी का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है।

सोमवार को दीनदयाल हस्तकला संकुल में उत्तर प्रदेश प्रवासी दिवस और युवा प्रवासी दिवस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के काशी में हो रहे तीन दिवसीय आयोजन से भारत की साख बड़ने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज का इसके लिए आभार भी जताया। मकर संक्रांति से कुंभ के सफल आयोजन की शुरूआत हो चुकी हैं। कुंभ में 15 करोड़ लोग आने का अनुमान है। प्रवासी कुंभ में स्नान करें और प्रयागराज में बदली व्यवस्थाओं को महसूस करें। प्रदेश कच्चे माल और कनेक्टिविटी को सभी सुविधाओं से लैस

प्रवासी भारतीय सम्मेलन के आयोजन से दुनिया में बढ़ेगी देश की प्रतिष्ठा

है। दो साल में सरकार ने 15 नए मेंडिकल कॉलेज स्वीकत किए हैं। एयर कनेक्टिविटी को बढाया जा रहा है। छह शहरों में नए एयरपोर्ट बन चुके हैं। जल परिवहन को गति देते हुए वाराणसी से प्रयागराज तक रोरो

सेवा जल्दी शुरू हो जाएगी। निवेश के लिए सबसे अच्छा माहौल है। प्रवासियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। काशी के बदलते हए स्वरूप की चर्चा और इसे नजदीक से देखने-समझने की अपील करते हुए कहा, एक जिला एक उत्पाद के तहत हस्तशिल्पियों के हनर की प्रदर्शनी अवश्य देखें। परंपरागत उद्यमों की पहचान बनाए रखने के लिए आपकी मदद की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहाँ कि भारत की प्रतिभा विश्व भर में अपना लोहा मनवा रही है। सबसे युवा राज्य उत्तर प्रदेश है। इसके मददेनजर प्रदेश में सवा नौ लाख युवाओं को नौकरियां दी गई हैं, जबकि छह लांक युवाओं को कौशल विकास की योजनाओं से जोड़ा जा चुका है।

जिलों में बनेंगे आयुष्मान भारत योजना गोल्डन कार्ड

अमर उजाला ख्यूरो

लखनऊ। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड जारी करने के लिए 20 से 30 जनवरी 2019 तक प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इस योजना के अंतर्यत अब तक 601724 लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड बांटे जा जा चुके हैं। बचे हुए लाभाधियों के लिए अभियान चलाकर कार्ड बनाए जाएंगे। सरकार ने योजना के संचालन व निगरानी के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 180018004444 की स्थापना की है। स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने सोमवार को जनपथ स्थित विकास भवन में समीक्षा बैठक के दौरान ये जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1,115 निजी व 420 सरकारी सहित कुल 1535 अस्पताल योजना से सम्बद्ध कराए जा चुके हैं। सूचीबद्ध की जानकारी www.sachis.in से ली जा 20 से 30 जनवरी तक चलेगा अभियान

mera.pmjav.gov.in वेबसाइट पर अपनी पत्रता की जांच कर सकता है। जिलों में नजदीकी जनसेवा केंद्रों (सीएससी) 30 रुपये देकर गोल्डन कार्ड ग्रिंट कराए जा सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि अभी तक 50 हजार रुपये या इससे अधिक की ग्रीश का इलाज करवाने वाले मरीजों की संख्या 523 है। जिनमें से 121 मंभीर हृदय रोग, 15 से अधिक ब्रेन ट्यूमर के, टोटल हिप रिप्लेसमेंट के 93 मामले सामने आए हैं। 80 लाख से अधिक लाभार्थी परिवारों को एसएमएस से योजना की जानकारी पहुंचा दी गई है। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य प्रशांत त्रिवेदी, एनएचएम निदेशक पंकज कुमार, निदेशक प्रशासन पूजा पांडेय, विशेष सचिव नीरज शुक्ला आदि मौजूद थे।

nitivet e

नगर पालिका ने चलाया नाला सफाई अभियान

मीसम में जलभराव से निपटने के पालिका प्रशासन ने नगर में नाले का अभियान वृहद् स्तर पर शुरू है। अभियान चेयरमैन, ईओ, जेई अधिकारियों य कर्मधारियों की शुरू किया गया। जिसमें दर्जनों की उपर्ख कमियों को लगाया गया। हर की चेयरमैन मनोरमा देवी, । अधिकारी धर्मराज मिंह, अवर राजीव सोनकर, ब्रांड एबेसडर ता की देखरेख में ज्योती तिराहे से सफाई का अधियान शुरू किया में नालों पर लोगों द्वारा स्थाई रूप मण कर लिया था। उनको सरक्री हर नालों की सफाई कराई गई। । बताया कि नाला सफाई अभियान भी वार्टी में प्राथमिकता के आधार व जाएगा। नालों की सफाई का

ते संबंधित अधिकारी समय समय

रविवार को नाला सफाई अभियान

श जनहों पर नाले पर अतिक्रमण

। लोग सफर्स कार्य में बाधा उत्पन्न

सहयोग की अपील

- नगर पालिका ने शहर में चलाया नाला सकाई अभियान
- नाले पर किए गए अस्थाई अतिक्रमण को सख्ती से हटाया गया

आएगा। उन्होंने नगर चासियों से सफाई आभियान में नगर पालिका का सहयोग करने की अपील की है। इस मौके पर जेई अवधेश शर्मा, सफर्ख नायक धर्मेंड आदि कर्मचारी

सफर्ज निरीधकों के टोल फ्री नंबर जारी rचेवरमैन मनोरमा देवी ने बताया कि नगर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सारे प्रवास किए जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने दो टोल फ्री नंबर सफाई निरीक्षकों को दिए हैं। जिससे जहां भी सफाई से संबंधित समस्या आएगी। जनता सीधे 9720028198 सुरेंद्र सिंह व 9520778906 ओमप्रकाश से रांपकं करके सफाई व्यवस्था की रामस्या को दूर करचा सकती है। ईओ धर्मराज सिंह बताचा कि नाले की सरसर्व अधियान में लापरवाडी बरतने पर सफर्श निरीक्षक सुरेंद्र व ओमप्रकाश का एक एक दिन का बेतन काट दिया गया है।



शनिवार को ज्योती तिराई पर नाले की सकाई कराती चेयरमैन।

सीवर लाइन मशीन का चेयरमैन ने शुभारंभ किया

करहाल चीराते से कटर बावस पर शनिवार को चेकरमैन मनोरमा देवी ने सीवर लाइन की सफाई करने वाली अध्युनिक मंत्रीन का गुध्वरंथ किया। इस मीके पर उन्होंने बताया कि यह मंत्रीन नगर में पड़ी सीवर लाइन की सकाई बेहतर तरीके से करेगी। अवनर त्रिकायत मिलती है कि सीवर लाइन बंद हो गई है। जिससे सीवर का वानी सहकों पर बहता रहता है। लेकिन इस मंत्रीन के आने से अब सीवर लाइन की सकाई ठीक दंग से होगी। सीवर से संबंधित शिकायती का निस्तारण हो जाएरा। इस मीके पर ईंडो धर्मराज सिंह, लक्ष्मण कुमार मुख, सधासद धनेश वर्मा, जसवीर सिंह चौहान, अस्थिरन सिंह राजधून आदि लीम मीजूद थे।





जिस घर में होगा साफ-सुथरा शौचालय, सम्मान पाएंगे घरवाले

अमर उजाला ब्यूरो

बलिया। स्थच्छ भारत मिशन के तहत अब शीचालय को स्वच्छ रखने वाले सम्मानित भी किए जाएंगे।

गांवों को ओडीएफ घोषित करने के बाद स्वच्छता बरकरार रखने के लिए कवायद शुरू की गई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों में शौचालयों के स्वामित्व विकसित करने व ओडीएफ के स्थावित्व के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में 31 जनवरी तक



दो साल हुए योजना को गांव में दोचना खेंगानय बनने हैं 387980 1843

अभियान चलावा जाएगा। इसका शुभारंभ गुरुवार को ब्लाक मुख्यालयाँ पर कर दिवा गया। इसके

योजना २०१६-१७ में लागू हुई 40,22,76,000 राशि से निर्माण

बीस प्रतिशत गांव भी अब तक ओडीएफ घोषित नहीं किए जा सके है

कई ओडीएफ घोषित गांवों में अब भगी शौचालयों का निर्माण चल रहा है

तहत ब्लाक मख्यालयों पर ग्राम प्रधान, सचिव की बैठक कर अभियान की रूपरेखा तय की गई। मरूय विकास अधिकारी की माने तो अभियान के तहत शौचालय योजना से लाभान्यत परिवारों को शौचालय पर चित्रकारी व लेखन के टिप्स दिए जाएंगे।

इसके बाद 26 जनवरी तक प्रत्येक गांव के सबसे सुंदर व सजाने वाले 10 लाभार्थियों का चयन किया जाएगा और 30 जनवरी तक इन्हें कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद इन शीचालयाँ का परा व्योरा व फोटोग्राफ दो फरवरी तक जिला पंचायत अधिकारी कार्यालय को

उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारी की पानें तो सार्वजनिक स्थलों या विद्यालयों में निर्मित शौचालयों को सजाने की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम प्रधान की होगी। इसके लिए यह राज्य वित्त व 14वें वित्त् की धनराशि का प्रयोग कर सकेंगे। सरकार के इस फरमान पर जिला पंचायत राज विभाग ने कार्रवाई शुरु कर दी है।

गौरतलब है कि जिले में वर्ष 2016-17 से ही स्वच्छ भारत मिशन लागू है, इसके तहत सभी गांवी को ओडीएफ करने के लिए कुल तीन लाख 87 हजार 980 शौंचालयों का निर्माण कराया जाना है।इसके लिए शासन ने 40 करोड़ से ज्यादा धनराशि भी पंचायती राज विभाग को मिल चुकी है और गांवों में शौचालयों का निर्माण भी कराया जा रहा है।

स्थच्छ भारत मिशन के तहत ओडीएफ भी स्थिरता बनाए रखने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत स्वच्छ व सुंदर शीवालय निर्माण कराने वाले को सम्मानित किया जाएगा। बद्रीनाथ सिंह, सीडीओ, बलिया

बांहें पसार किया नए साल का स्वागत

रंगबिरेंगे गुब्बारे उड़ाए गए, चारों तरफ ख़ुशियां मनाई गईं, डीजे पर डांस और केक काटकर पार्टी में मनाया जरन

अमर उजाला ब्युरो

बलिया। नए साल का स्वागत को हर कोई उत्साहित दिखा। किसी ने होटल, रेस्ट्रॉट तो किसी ने घर पर ही लेट नाइट पार्टी की। कहीं डीजे की धुन पर झुमते हुए तो कहीं केक काटकर लोगों ने नए साल का स्वागत किया। फिल्मी गानों पर देर रात तक धमाल होता रहा।

सोमवार की शाम होने के साथ ही होटल, रेस्ट्रेंट एवं लाजों में खास तैयारी की गई। जैसे-जैसे रात चढ़ती गई जरन का माहील बनता गया। शहरवासियों ने जोश और उत्साह के साथ नए साल का स्वागत किया। म्युजिक और मस्ती के बीच देर रात तक लोग झुमते रहे । होटलों में जहां नये साल के आगाज पर अलग-अलग धीम पर कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। नववर्ष के स्वागत के लिए नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने अपने-अपने ढंग से तैयारी की। पार्कों और होटलों को भी प्राकृतिक व आकर्षक फूलों से संजाया गया। नववर्ष को खास नए साल के स्वागत को लेकर जनपदवासियों में खास उत्साह रहा। सोमवार की रात बारह बजते ही जनपद नए साल के जरन में डूब गया। ख़ुशी से चहकते पलों में किसी ने हैप्पी न्यू ईयर कहते हुए अपनों को बधाई दी। नवर्ष वर्ष की शुभकामना देने का दौर शुरू हो गया। दुल्हन की तरह सजे होटलों में नए साल की पहली रात यादगर बर्नी।



चित्तू पांडेय चौराहे पर एक दुकान में नववर्ष का ग्रीटिंग कार्ड खरीदते बच्चे।



नगर के एक होटल में नए साल के स्वागत में केक काटता एक परिवार।

बनाने की तैयारी सभी की है। वहीं पार्क के बाहर खेल-खिलीने व गुष्वारा की दुकानें सजकर अतिधियों व नववर्ष के स्वागत के लिए तैयार हो गई हैं। सरहा ताल और जीराबस्ती स्थित जनेश्वर मिश्र वन बिहार में भीड उमड़ने की उम्मीद है।

कालोनियों में शाम को सज गई महफिल

व्यक्तिया। कालोनियों में शाम से ही नए साल के जरन की महफिल सज गई थी। आवासी विकास कालोनी, प्रोफेसर कालोनी, चंद्रशेखर नगर, जापलिनगंज, आनंद नगर इत्यदि कालोनियों में पार्टी का आयोजन किया गया। शिक्षण संस्थानों और कोचिंग में भी कार्यक्रम हुए। कालोनियों एवं गांवों में भजन संध्या का भी आयोजन हुआ।

पिकनिक स्पाटों पर सुरक्षा कड़ी

नववर्ष के स्वागत के साथ ही नगर से लेकर प्रामीण क्षेत्रों के पिकनिक स्पार्टी और होटली पर विशेष पुलिस की पैनी नजर रहेगी। इस संबंध में एएसपी विजय पाल सिंह ने बताया कि सुरक्षा के मददेनजर पार्क, पिकनिक स्पाट और होटलों के आसपास पुलिस बंल को तैनात किया गया है ताकि अराजकतत्वों पर नजर रखी जा सके।

महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत

ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतें घटने से थोक और खुदरा महंगाई दर में गिरावट

अमर उजाला ब्युरो/एजेंसी

नर्ड दिल्ली। ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होने से महंगाई के मोर्चे पर सरकार को बड़ी ग्रहत मिली है। दिसंबर में थोक और खदरा महंगाई दर काफी नीचे आ गई है। सांख्यिकी कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दिसंबर में आठ महीने के निचले स्तर (3.80 फीसवी) पर पहुंच गई जबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई 18 माह के निचलें स्तर (2.19%) रही।

नवंबर में थोक महंगाई 4.64% थी जबिक एक साल पहले दिसंबर, 2017 में यह 3.58% रही थी। यह लगातार दूसरा महीना रहा जब धोक महंगाई दर नीचे आई है। इससे पहले अप्रैल, 2018 में थोक महंगाई दर 3.62% रही थी। खुदरा महंगाई दर गत नवंबर में 2.33 % नवंबर, 2017 में 5.21% रही थी। यह जून, 2017 में 1.46 फीसदी रही थी।



80% रही दिसंबर में थोक महंगाई दर जो ८ माह में सबसे कम है

खुदरा महंगाई की दर रही दिसंबर में जो 18 माह के निचले स्तर पर

खाद्य पदार्थों की थोक दरें घटीं : दिसंबर में खाद्य पदार्थों की धोक महंचाई में 0.07 फीसली कभी आई। स्रविवायों की थोक महंगाई दर लगातार छठे माह गिरकर दिसंबर में 17.55 फीसदी रही जो नवंबर में 26.98 फीसदी थी। इस दौरान आलू की थीक महत्वाई दर 48.68 फीसदी हो गई जो नवंबर में 86.45 फीसदी थी। हालांकि, प्यान कीमतों में उछाल दिखा और यह नवंबर के 47.60 फीसदी के मुकाबले दिसंबर में 63.83 फीसदी पहुंच गई। इस दौरान दालों की महंगाई दर 2.11 फीसदी और अंडा, मांस व मछली की दर 4.55 फीसदी रही। लेकिन फलों के थोंक दाम बढ़ गए और इसकी महंगाई दर नवंबर के 2.49 फीसदी से उडलकर दिसंबर में 3.69 फीसदी हो गई। ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की महंगाई घटकर 8.38 फीसदी आ गई जो नवंबर में 16.28 फीसदी थी।

खुदरा कीमतें भी गिरीं

्र खाद्य पदार्थी को खुदरा महागाई दर दिसंबर में नकारात्मक रही और वह शुन्य से 2.51 फीसदी आ गई। इसके अलावा सक्जियों, फलों और प्रोटीन अंडे की महंगई दर भी नीचे आ गई। ऊर्जा क्षेत्र की खुदरा महंगाई दर दिसंबर में 4.54 फीसदी रही जो नवंबर में 7.39 फीसदी थी।

उद्योग संगठन एसोचैम का कहना है कि चोक और खुदश महंगाई दर में बड़ी गिरावट से इस माह होने वाली एमपीसी बैठक में आरबीआई व्याज दरें घटा सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑक्ट सस्ता होने से भी आरबीआई को फैसला लेने में आसानी होगी जिससे ब्याज दर घटने की औद्योगिक विकास रोज करने और निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। आरबीआई व्याज

मीद बढ़ी : एसोचैम दरें तय करते समय खुदरा महंगाई दर को ध्यान में रखता है। केंद्रीय बैंक ने दूसरी छमाही के लिए ख़दरा महंगाई दर का अनुमान 2.7 से 3.2 के बीच रखा है, जो इस आंकड़े से भी नीचे हैं।



स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले मे शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

बापू का नारा, स्वच्छ भारत हैं बनाना ।

भूमण्डल में गूंजे गान ।

मेरा भारत देश महान ॥

फिर गूजेंगा का बापू का गान ।

स्वच्छ रहे भारत का हर ग्राम ॥

कूड़ा करकट का हैं अम्बार ।

सबको मिलकर करना हैं साफ ॥

अपने कर्मी को सुधारे ।

नदियों को पवित्र बनायें ॥

स्वच्छता उन्नति का आधार हैं ।

लम्बे जीवन का सार हैं ॥

स्वच्छता आकर्षण का आधार हैं ।

स्वच्छता मोक्ष का द्वार भी हैं ॥

बच्चे बूढ़े, और जवान हैं ,

सहयोग सेतु में बंध एक साथ ।

संकल्प करे फिर एक बार ।

स्वच्छ रखेगा भारत को हर हाथ ॥

अच्छे दिनों को लाना हैं ।

भारत का मान बढ़ाना हैं ॥

<u>स्वच्छ भारत मिशन लोनी</u>

श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा (अधिशासी अधिकारी)

श्री अजय कुमार (अध्यक्ष) (अध्यक्ष)

